SHRI C. M. RAMESH (Andhra Pradesh): Sir, I associate myself with the mention raised by the hon. Member.

श्री ओम प्रकाश माथुर (राजस्थान) : महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री प्रकाश जावडेकर (महाराष्ट्र) : महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री नंद कुमार साय (छत्तीसगढ़) : महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री तरुण विजय (उत्तराखंड) : महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री ब्रजेश पाठक (उत्तर प्रदेश) : महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री थावर चंद गहलोत (मध्य प्रदेश) : महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Andhra Pradesh): Sir, I associate myself with the mention raised by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All the Members are associating themselves with the mention. I also associate myself with the mention. I have already committed to donate my organs.

SHRI SITARAM YECHURY (West Bengal): Sir, all the leaders of our Party have pledged their bodies. ...*(Interruptions)*...

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD (Bihar): It is a very good development. We fully associate ourselves with this mention.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I also associate myself with the mention made by Shri Derek O'Brien. We should consider it. I have already committed to donate my organs. Shri Shyamal Chakraborty; not present. Shri Tarun Vijay.

Cyber security in the wake of lack of security experts and continuing cyber attacks

SHRI TARUN VIJAY (Uttarakhand): Sir, with full authority and information available to me, I can say that your location and your purchase profile are being

watched by the NSA in the USA. I am quoting today's *The Hindu.* It says that the NSA picked content from Brazilian President's phones, email and texts. India is among the list of countries watched and classified as "Friends, Enemies, or Problems?"

अगर ब्राजील के राष्ट्रपति की ई-मेल, टैक्स्ट्स और सारे एस.एम.एस. वॉच किए जा सकते हैं, तो मैं यह बताना चाहता हूं कि हिंदुस्तान में जो लोग जीमेल, याहू मेल इस्तेमाल करते हैं, मास्टर कार्ड और वीसा कार्ड इस्तेमाल करते हैं, उन सबके डाटा एक जगह पर स्टोर होते हैं। ऐसे लोगों की संख्या करोड़ों में होगी। अगर यह तय किया जाए कि उनमें से 2000 या 50,000 लोगों को वॉच किया जाना है, मॉनिटर किया जाना है, जिनमें मैम्बर ऑफ पार्लियामेंट हो सकते हैं, भारत के राष्ट्रपति हो सकते हैं, प्रधानमंत्री हो सकते हैं या आप हो सकते हैं, तो you are unable to stop it because we utterly lack the number of cyber security experts that India needs today. साइबर सिक्योरिटी वही मुद्दा है, जो बहुत संवेदनशील है। अगर चीन हमारी सीमा में दखल देता है या पाकिस्तान घुसपैठ करता है, तो उससे भी ज्यादा खतरनाक और जहरीला मामला साइबर सिक्योरिटी के infringement का है। वह हमारी सरहदों को पार नहीं करता है, वह हमारे घर में हमारे तमाम कागजात, डॉक्यूमेंट्स, हमारी नीतियां, इन सभी को अपने यहां पर स्टोर करता है, जिनकी पड़ताल किए जाने की हमारे यहां पर कोई व्यवस्था नहीं की जाती है।

महोदय, जो naval submarine का एक्सीडेंट हुआ है या भटकल की गिरफ्तारी हुई है, जिसके बारे में मुझे दुख के साथ कहना पड़ता है कि एक प्रदेश सरकार ने उसको गिरफ्तार करने से मना कर दिया था, लेकिन इन दोनों मामलों का संबंध cyber security से है। एक मामलो में हमको सफलता मिली है और एक मामले में सफलता नहीं मिली है। यह साइबर सिक्योरिटी हमारे पूरे देश के आंतरिक मामलों से जुड़ी हुई है। अभी DRDO में हैकिंग हो गई, जिसकी वजह से DRDO के तमाम कागजात और महत्वपूर्ण पॉलिसी मैटर्स विदेशी हाथों में चले गए। यह काम चीन और पाकिस्तान नहीं कर रहे हैं, यह काम अमरीका कर रहा है। मैंने 19 मार्च को रक्षा मंत्री से मिलकर गूगल के बारे में बताया था। मेरे पास कागजात हैं कि पुंछ और राजौरी में जो हाईली क्लासीफाइड डॉक्यूमेंट्स हैं, उनकी जो पिक्चर्स हैं, जैसे हमारी फौजों की पोजिशन्स, फाइटर जेट्स की पोजिशन्स, हमारे बम डिपोज आदि यह सब कुछ गूगल पर अवेलेबल हैं। गृह मंत्री जी ने जवाब नहीं दिया और रक्षा मंत्री जी ने भी जवाब नहीं दिया, जबकि मैं पर्सनली उनके पास सारे डॉक्यूमेंट्स लेकर गया था। मैं चाहता हूं कि भारत सरकार...।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. Your time is over.

श्री तरुण विजय :*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shri Rajiv Pratap Rudy. Mr. Tarun Vijay, your time is over. It is not going on record. तरुण विजय जी, आपकी स्पीच रिकॉर्ड पर नहीं जा रही है, इसलिए आप बैठिए।

*Not recorded.

श्री रघुनन्दन शर्मा (मध्य प्रदेश) : उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

श्री अनिल माधव दवे (मध्य प्रदेश) : उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

श्री थावर चंद गहलोत (मध्य प्रदेश) : उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

†[**چودھری منوّر سلیم (اتر پردیش)** : اُپ سبھاپتی جی، میں خود کو اس سے سمبدّ کرتا ہوں]

श्री अरविन्द कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

SOME HON. MEMBERS: We also associate.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I think the entire House associates.

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD (Bihar): Sir, you need to note one thing that on the matter raised by Tarun Vijayji, there is a great consensus in the House and it is a great tradition for our Parliament that on the issues of national concern, we speak in one voice.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is very correct. I fully agree and we have always shown that kind of unity. ...*(Interruptions)*...

SHRI P. RAJEEVE (Kerala): Sir, they have installed one server near New Delhi. It is a very important issue. It should be discussed. The Minister is here. We want a response from the Government.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. Now, Shri Rajiv Pratap Rudy. ...*(Interruptions)*... तरुण जी बैठिए।

Arrest of most notorious international terrorist responsible for several attacks

श्री राजीव प्रताप रूडी (बिहार) : उपसभापति जी, सदन ने जिस प्रकार से इस विषय पर अपनी एकता दिखाई है, उसी प्रकार का एक विषय मैं भी उठाने के लिए खड़ा हुआ हूं। गृह मंत्री जी ने बयान दिया है और बड़ी मजबूती के साथ बयान दिया है कि हम दाऊद को इस देश में वापस ले आएंगे। यह अपने आप में एक सराहनीय बयान है। इसके पीछे जो पृष्ठभूमि है, वह यह है कि भारत की सरकार, गृह मंत्रालय किसी भी प्रकार से ऐसी देश विरोधी ताकतों को गिरफ्तार करे। हाल-फिलहाल चाहे अब्दुल करीम टुंडा था, जबुद्दीन अंसारी था या फैज मुहम्मद था, इन सभी को

†Transliteration in Urdu script.